(b) The achievements of production U. P. during the last three years are as and employment provided in M. P. and under :—

	1989-90	1990-91	1991-92
MADHYA PRADESH			
PRODUCTION (Rs. Crores)			
Khadi	4.56	5.02	6.32
V.I.	50.19	53.65	51.43
Total	54.75	58.67	57.75
EMPLOYMENT (Lakh Persons)			
Khadi	0 17	0.18	0.18
V.I.	0.64	0.70	0.60
Total	0.81	0.88	0.73
UTTAR PRADESH			
PRODUCTION (Rs. Crores)			
Khadi	57.13	60.30	74.14
V.I.	266.37	309.27	373.93
Total	323.50	370.27	448.07
EMPLOYMENT (Lakh persons)			
Khadi	5.34	5.51	5.54
V.I.	3.68	4.06	4.50
Total	9.02	9.57	10.04

खादी ग्रामोद्योग आयोग में अनियमितताएं

460. श्री शांति दत्ती ;

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार को खादी और ग्रामोद्योग आयोग के कार्यकरण में बरती जा रही अत्यधिक अनियमितताओं के बारे में विभिन्न खादी संस्थाओं से बहुत सी शिकायतें प्राप्त हुई हैं ;

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ,

(ग) क्या यह सच है कि खादी ग्रामोद्योग के लघु कुटीर उद्योग में कार्यरत लाखों महिला श्रमिकों को पूरे दिन के कार्य के लिए मात्र 3 से 5 रुपये मजदूरी दी जाती है, और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकारी खादी ग्रामोद्योग आयोग की संपूर्ण प्रणाली पर पुनर्विचार करेगी ?

उद्योग मंत्रालय (लघु उद्योग और कृषि तथा ग्रामीण उद्योग विभाग) में राज्य मंत्री (श्री एम. अरुणाचलम) :— (क) और (ख) सरकार को समय-समय पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग (के.वी. आई. सी.) से संबंधित कई अभ्यावेदन और शिकायतें प्राप्त होती हैं। इस प्रकार के

अभ्यावेदन प्राप्त होते हों, इन मामलों पर गौर किया जाता है।

(ग) और (घ): के. वी. आई. सी. अपनी कार्यान्वयनकारी एजेंसियों नामत : राज्य के बी. आई. बोर्डों और सीधे सहायता प्राप्त संस्थाओं के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य के अवसर प्रदान करता है जहां अन्यथा इस प्रकार के अवसर उपलब्ध नहीं हो सकते हैं। खादी कारीगरों अर्थात् कताईकारों और बुनकरों को आय मौजूदा कोस्ट चार्ट मैकेनिज्म में निर्धारित की गई है। यह आय उनकी उत्पादकता पर निर्भर करती है। प्रति लच्छी कताई की दर 0.75रु. से 0.85 रु. तक होती है जबकि बुनाई की दर प्रति मीटर 2.56 रु. से 4.80 रु. तक होती है। नये मॉडल के चर्खे का प्रयोग करके एक कताईकार एक दिन में अधिकतम 20 लच्छियों की कताई कर सकता है और प्रतिदिन 12 रु. से 20.रु. तक कमा सकता है। किन्तु काफी महिला श्रमिक जो बूढ़ी और कमजोर होती हैं रम्परागत चर्खों का प्रयोग करती है जिसमें उत्पादकता कम होती है। के. वी. आई. क्षेत्र में कारीगर अपनी सुविधा के अनुसार कार्य करते हैं और उनकी आय हर उद्योग में अलग-अलग होती है जो उनकीकार्य कुशलता, विपणन की क्षमता आदि पर निर्भर करती है।

सरकार पूंजी उपलब्ध करा कर, उत्पादकता में सुधार करने के लिए अनुसंधान तथा विकास प्रयासों हेतु निधियां उपलब्ध कराके और के.वी. आई उत्पादों की बिक्री योग्यता में सुधार करके के. वी. आई. क्षेत्र के कारीगरों की आय में वृद्धि करने के निरन्तर प्रयास कर रही है।

Merger of ABB Subsidiaries

461. SHRI ANANT RAM JAISWAL :

SHRI MOHINDER SINGH LATHER :

Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) whether Government are aware that ABB has proposed to merge its Indian subsidiaries; and

(b) if so, what arc. the implications involved and what 's the reaction of Government with regard *to* the merger of ABB subsidiaries in this country ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI H. R. BHARDWAJ) : (a) It is presumed that the abbreviation 'ABB' refers to 'Asea Brown Boveri Ltd.'. An amalgamation! merger requires approval of the Court under Sections 39-!394 of the Companies Act, 1956 and the Court is required to give notice of such application to the Central Government for making representation, If any, under Section 394A of the Act. No such notice has been served on the Central Government by the Court.

(b) Does not arise.

Purchase from Khadi Gramodyog

462. SHRI GAYA SINGH :

SHRI CHATURANAN MISHRA :

Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) whether Government's attention has been drawn to a report published in the "Nav Bharat Times", Delhi of 5th April, 1993 regarding purchases from Khadi Gramodyog Bhavan, New Delhi;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the action taken thereon ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPARTMENT OF SMALL SCALE INDUSTRIES AND AGRO AND RURAL INDUSTRIES) SHRI M. ARUNACHALAM) : (a) Yes, Sir.

(b) KVIC have informed, that the news item is not based on full facts and the same was brought to the notice of the Editor, Nav Bharat Times by the General Manager, Khadi Gramodyog Bhavan New Delhi vide his letter dated